



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 252]

नई दिल्ली, बुधस्मितीवार, नवम्बर 11, 1999/कार्तिक 20, 1921

No. 252]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 11, 1999/KARTIKA 20, 1921

जाणिज्य मंत्रालय

(प्रारम्भिक निष्कर्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1999

विषय : ताइवान से एक्रिलिक फाइबर के आयातों के संबंध में पाटन रोधी जांच प्रारम्भिक निष्कर्ष।

सं. 27/1/99-डीजीएडी.— 1995 में यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन रोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. पद्धति

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित पद्धति का पालन किया गया है।

(I) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन में 0 इंडियन एक्रिलिक लि., पशुपति एक्रिलो लि. और कन्मोलिडेटेड फाइबर एंड कैमिकल्स लि. की तरफ से एक्रिलिक विनिर्माता संघ के फोरम को स्वदेशी उद्योग की ओर से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई, जिसमें ताइवान मूल के या वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया था।

(II) याचिकाकर्ता द्वारा दायर किए गए आवेदन की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें खादी द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। इस प्रकार याचिका को समुचित रूप से प्रलेखीकृत माना गया है।

(III) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने ताइवान से एक्रिलिक फाइबर के आयातों की जांच आरंभ करने का निर्णय किया। प्राधिकारी ने नियमों के उपनियम 5(S) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के पात होने की सूचना आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र, ताइवान को दी।

(IV) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमा शुल्क उपशीर्ष 5501 और 5503 के अंतर्गत वर्गीकृत ताइवान (जिसे इसके बाद संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रिलिक फाइबर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए तारीख 28 जुलाई, 1999 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया।

(V) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गये थे) तथा उद्योग संघों को भेजी, और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

(VI) प्राधिकारी ने भारत में एक्रिलिक फाइबर के सभी ज्ञात आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए कहा।

(VII) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से जांच अवधि सहित पिछले 3 वर्षों में भारत एक्रिलोन फाइबर के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

(VIII) प्राधिकारी ने नियम पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को भेजी।

(IX) प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए, नियम 6(4) के अनुसार एक मात्र ज्ञात निर्यातक मै० गुगु इंटरनेशनल कं. लि. जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा संकेत दिया गया था, को प्रश्नावली भेजी :—

गुगु इंटरनेशनल कं. लि. ताइवान से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था। इसकी बजाय मै० कारमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, ताइवान द्वारा इस विषय पर सूचना प्रस्तुत की गई थी।

(X) नई दिल्ली में संबद्ध देश के आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र ताइवान को भी भेजी गयी थी।

(XI) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए एक्रिलिक फाइबर के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :—

- मै. वर्धमान स्पनिंग एंड जन. मिल्स लुधियाना
- मै. नाहर स्पनिंग मिल्स लि. लुधियाना
- मै. मालवा कॉटन स्पनिंग मिल्स लि. लुधियाना
- मै. राजस्थान स्पनिंग एंड वीविंग मिल्स लि. नई दिल्ली
- मै. विनसमा टैक्सटाइल इन्डस्ट्रीज लि. चण्डीगढ़
- मै. सिद्धार्थ सुपर स्पनिंग मिल्स लि. नई दिल्ली
- मै. भवानी टैक्सटाइल मिल्स हरियाणा
- मै. आदिनाथ टैक्सटाइल लि. लुधियाना
- मै. श्रुति सिन्थेटिक्स लि. उदयपुर

किसी भी आयातक द्वारा प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया गया था।

(XII) क्षति के बारे में याचिकाकर्ताओं से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी। जो प्रस्तुत भी कर दी गई थी।

(XIII) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।

(XIV) याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों (जीएपी) के आधार पर संबद्ध वस्तु के निर्माण और बिक्री के लिए उत्पादन की इष्टतम लागत निकालने के लिए स्वदेशी उद्योग की उत्पादन लागत का भी विश्लेषण किया गया था ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटन रोधी सीमाशुल्क स्वदेशी उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(XV) *** से इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है।

(XVI) जांच 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च 1999 तक की अवधि के लिए की गई थी।

ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2. याचिकाकर्ताओं ने एक्रिलिक फाइबर के पाटन और उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित विचार व्यक्त किये हैं, जिसके निष्कर्ष स्वरूप :

(I) ताइवान के निर्यातक भारत में एक्रिलिक फाइबर का पाटन कर रहे हैं।

(II) याचिका में कीमतों की गणना डीजीसीआई एंड एस कलकत्ता द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर की गई है। ये निर्यात मूल्य सीआईएफ हैं। डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार औसत सीआईएफ कीमत 1144 अमरीकी डालर प्रति मी. टन थी। तथापि ताइवान के निर्यातकों ने मूल्यों में भारी कमी करके पाटन के कार्य में तेजी लाई है बाद में ये कीमतें घटकर 750 अमरीकी डालर प्रति मी. टन तक हो गयी है। यह कुछ निर्यातकों की भाव दरों पर आधारित है। प्रस्तावित किए जा रहे निर्यात मूल्य घरेलू उद्योग की अस्थायी लागत से भी कम है।

(III) ताइवान से आयात की मात्रा जो 1996-97 में 653 मी. टन थी जांच अवधि के पहले आठ महीनों में बढ़कर 1496 मी. टन हो गई है। जांच अवधि के शेष चार महीनों में आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है।

(IV) याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए पाटन की स्थिति में एक्रिलिक फाइबर की घरेलू बाजार में बिक्री करना अधिक कठिन है। याचिकाकर्ता कंपनियों को उचित बिक्री मूल्य से काफी कम कीमत पर एक्रिलिक फाइबर की बिक्री करनी पड़ी थी। घरेलू उद्योग के बिक्री मूल्य में 1995-96 से लगभग 25% तक की गिरावट आई है।

(V) चालू वित्त वर्ष में घरेलू उद्योग की लाभ प्रदत्ता में अत्यधिक कमी आ रही है। वर्ष 1997-98 के दौरान घरेलू उद्योग को 4 करोड़ रु. के लाभ के मुकाबले 28 करोड़ रु० का घाटा हुआ है।

(VI) ताइवान से पाटित कीमत पर हुए आयातों की मात्रा में वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

(ग) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. निर्यातकों के विचार

निर्यातक मै० फारमोसा प्लास्टिक कार्पोरेशन, ताइवान ने निम्नानुसार विचार व्यक्त किए हैं :—

(क) वर्ष 1997-98 और 1998-99 के दौरान याचिकाकर्ता द्वारा निर्दिष्ट आयात की मात्रा ताइवान से हुए आयातों के काफी उच्च स्तर को प्रदर्शित करती है क्योंकि डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में अन्य देशों से हुए निर्यात भी शामिल हो सकते हैं।

(ख) ताइवान के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 1998 में ताइवान से हुआ आयात 1998 के दौरान हुए कुल आयातों के 3% से कम था अतः वर्तमान जांच को समाप्त करना जरूरी है।

(ग) ताइवान से हुए निर्यातों की कीमत एक्रिलिक फाइबर की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है, जिनमें भारी गिरावट आई है।

(घ) याचिकाकर्ता को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है और यह ताइवान से हुए आयातों से काफी कम है क्योंकि :—

(I) याचिकाकर्ताओं के उत्पादन में वृद्धि हुई है।

(II) याचिकाकर्ता कंपनियों की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है।

(III) याचिकाकर्ता कंपनियों ने क्षमता उपयोग की अत्यधिक उच्च दर को बनाए रखा है।

(IV) याचिकाकर्ताओं का बाजार हिस्सा वर्ष 1997-98 के दौरान बाजार हिस्से की अपेक्षा अधिक रहा था और

(V) याचिकाकर्ता के भंडार स्तर में वृद्धि उत्पादन क्षमता में वृद्धि के कारण हो सकती है।

(VI) ताइवान से हुए एक्रिलिक फाइबर के आयातों एवं याचिकाकर्ता कंपनियों को आरोपित वास्तविक क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

(घ) उठाए गए मुद्दों की जांच

4. निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए पूर्वोक्त अनुरोधों पर उस सीमा तक जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं, की जांच करके उन पर विचार किया गया है और उन पर इन निष्कर्षों में उचित स्थानों पर कार्रवाई की गई है।

ड. विचाराधीन उत्पाद :

5. मौजूद जांच में शामिल उत्पाद एक्रीलिक स्टेपल फाइबर, एक्रीलिक टो तथा एक्रीलिक टॉप के रूप में एक्रीलिक फाइबर हैं। एक्रेलिक फाइबर कृत्रिम पालिमर की एक लम्बी शृंखला है जो एक्रिलोनाईट्रिल एककों के कम से कम 85% भार में बनी है। एक्रेलिक फाइबर डेनियर्स के रूप में परिभाषित अनेक श्रेणियों में उत्पादित किया जाता है। एक्रेलिक फाइबर या तो गीली प्रौद्योगिकी अथवा सूखी प्रौद्योगिकी के जरिए उत्पादित किया जाता है। एक्रीलिक फाइबर का रोजमर्रा की जिन्दगी में उपयोग होता है यानि इसके घरेलू उपयोग तथा कुछ औद्योगिक उपयोग हैं। एक्रेलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क कोड 5501 तथा 5503 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह से वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकर नहीं है।

च. समान वस्तुएं

6. एक्रीलिक फाइबर विभिन्न विनिर्देशनों में उत्पादित होता है और बेचा जाता है। तथापि, विभिन्न विनिर्देशन केवल फाइबर की विशेषताएं बनाते हैं और परिणामतः इनके अलग-अलग अंतिम प्रयोग हो सकते हैं। तथापि एक्रीलिक फाइबर की विभिन्न किस्मों के उत्पादन के लिए प्रक्रिया, उपकरण अथवा प्रौद्योगिकी के रूप में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं है। इसलिए, यह विचार किया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए गए तथा बेचे गए एक्रीलिक फाइबर की विशेषताएं ताइवान से आयातित एक्रीलिक फाइबर से काफी मिलती जुलती हैं। किसी भी हितवद्ध पार्टी ने याचिकाकर्ता के इन दावों पर आपत्ति नहीं की है कि ताइवान से आयातित एक्रीलिक फाइबर का भारत में उपभोगताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर पारस्परिक रूप से उपयोग किया जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का मानना है कि ताइवान में आयात किए जाने वाले और भारत में उत्पादित एक्रीलिक फाइबर का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है और इस प्रकार वे तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं तथा नियमों के भीतर समान वस्तुएं हैं।

छ. घरेलू उद्योग

7. यह याचिका संयुक्त रूप से मैसर्स इंडियन स्रक एक्रेलिक लि०, चंडीगढ़, पशुपति एक्रिलोन लि०, नई दिल्ली तथा कन्नोलिडेटिड फाइबर एंड कैमिकल्स लि० कलकत्ता द्वारा दायर की गई। याचिकाकर्ता द्वारा यह दावा किया गया कि इंडियन प्रोकेमिकल लि०, जिनका संयंत्र बडोदरा में है, एक्रीलिक फाइबर का उत्पादन करने वाली अन्य कम्पनी है। इस प्रकार, यह दावा किया गया कि ऐसी केवल चार इकाइयां हैं जो भारत में एक्रीलिक फाइबर का उत्पादन करती हैं। 1998-99 में एक्रीलिक फाइबर का कुल उत्पादन 80,268 मी. टन हुआ है और याचिकाकर्ता कम्पनियों का उत्पादन 59,168 मी. टन था। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का एक्रेलिक फाइबर के घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है और इसलिए नियमों के तहत आवश्यकतानुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने की स्थिति में है।

ज. पाटन

8. प्राधिकारी ने धारा 9क (1) (ग) में उल्लिखित नियमों के अनुसार किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य पर विचार किया है।

9. प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार सम्बद्ध देशों के निर्यातकों को एक प्रश्नावली भेजी। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा डम्पिंग मार्जिन के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए दावे निम्नानुसार हैं :—

1. निर्यातकों के दावे :

10. केवल मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन की ओर से ही जवाब प्राप्त हुआ, जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के ब्यौरे प्रस्तुत किए। इस संबंध में किया गया दावा निम्नानुसार है :—

(i) सामान्य मूल्य :

मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान एक्रेलिक फाइबर की घरेलू बिक्री के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। एक्रीलिक टो तथा एक्रेलिक स्टेपल फाइबर के संबंध में निर्यातक द्वारा अलग से ब्यौरे प्रस्तुत किए गए हैं।

तदनुसार, उन्होंने यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. की घरेलू बिक्री के लिए एक औसत बिक्री कीमत का दावा किया है। घरेलू बिक्री की कारखानागत कीमत परिकलित करने के लिए अन्तर्देशीय माल भाड़े तथा अन्य ऋण लागत के संबंध में व्यय का दावा किया गया है। तदनुसार, यू एस डालर *** की कारखानागत घरेलू कीमत का दावा किया गया।

(ii) निर्यात कीमत :

निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए एक्रीलिक फाइबर के निर्यात के बीजक-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए।

एक्रीलिक टो तथा एक्रीलिक फाइबर के संबंध में अलग से ब्यौरे प्रस्तुत किए गए। निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान यू एस डालर *** प्रति मी. टन की औसत सी आई एफ कीमत पर 478 मी. टन एक्रीलिक फाइबर तथा टो का निर्यात करने का दावा किया

है। इसके अतिरिक्त, निर्यात बिक्री पर दी गई छूट तथा कमीशन, अन्तर्देशीय माल भाड़ा तथा पत्तन प्रभारों के सम्बन्ध में खर्चों का दावा भी किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने निर्यात बिक्रियों के लिए विदेशी माल भाड़े, विदेशी बीमा और क्लियरिंग तथा हैंडलिंग प्रभारों का भी दावा किया है। इस प्रकार निर्यात बिक्रियों के लिए यू एस डालर *** प्रति मी. टन औसत कारखानागत कीमत का दावा किया गया है।

मै. फोरमोसा प्लास्टिक ने घरेलू बाजार में बेचे गये एक्रीलिक फाइबर तथा निर्यात बिक्री के अलग-अलग ब्यौरे भी प्रस्तुत किये हैं और दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान भारत में सम्बद्ध वस्तुओं की कोई डम्पिंग नहीं हुई है। ताईवान से एक्रीलिक फाइबर के किसी भी अन्य निर्यातक से निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई।

ज. प्राधिकारी द्वारा दावों की जांच :—

11. मै. फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा डम्पिंग मार्जिन के सम्बन्ध में प्रस्तुत किये गये दावों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई तथा निम्नानुसार विचार किया गया है :—

मै. फोरमोसा प्लास्टिक कारपोरेशन, ताईवान

सामान्य मूल्य :—

प्राधिकारी ने नोट किया कि एक्रीलिक टो तथा एक्रीलिक स्टेपल फाइबर के सम्बन्ध में निर्यातक द्वारा अलग-अलग ब्यौरे प्रस्तुत किये गये हैं। प्राधिकारी ने टो और स्टेपल फाइबर के लिए औसत सामान्य मूल्य पर विचार किया है। सूचना की जांच के अधीन निर्यातकों द्वारा दावा की गई घरेलू बिक्री कीमत पर भी प्राधिकारी ने विचार किया है। इसके अतिरिक्त जैसाकि दावा किया गया अन्तर्देशीय भाड़े सम्बन्धी खर्चों की भी अनुमति दी गई। तथापि घरेलू बिक्री के लिए ऋण लागत के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किसी प्रकार के समायोजन पर विचार नहीं किया गया। तदनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. के रूप में विचार किया गया।

निर्यात कीमत :

जांच अवधि के दौरान भारत को मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा एक्रीलिक टो और एक्रीलिक स्टेपल के निर्यातों के बारे में औसत सी आई एफ निर्यात कीमत यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. थी। छूट तथा कमीशन, अन्तर्देशीय भाड़ा तथा पत्तन प्रभारों संबंधी खर्चों की अनुमति दी गई, जैसाकि दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारियों ने दावाकृत विदेश भाड़े, विदेशी बीमे और क्लियरिंग तथा हैंडलिंग प्रभारों की अनुमति सूचना की जांच के अधीन दी है। तदनुसार जांच अवधि के दौरान मै. फोरमोसा प्लास्टिक्स द्वारा निर्यात किए गए एक्रीलिक फाइबर की निर्यात कीमत यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. आंकी गई।

उपयुक्त के आधार पर प्राधिकारी द्वारा मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन के डम्पिंग मार्जिन का यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. अथवा 6.79% का अनुमान लगाया गया है।

ड. असहयोगी निर्यातकों के मामले में डम्पिंग मार्जिन

12. **सामान्य मूल्य :—**ऊपर उद्धृत धारा के अनुसार प्राधिकारी ने ताईवान के निर्यातकों को जांच के लिए आवश्यक सूचना प्रदान करने और उन पर टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, देने का अवसर दिया। प्राधिकारी ने भारत में ताईवान के आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को भी लिखा लेकिन ताईवान के किसी अन्य निर्यातक ने सूचना के बारे में प्राधिकारी के अनुरोध का कोई उत्तर नहीं दिया। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर अन्य हितवद्ध पक्षों द्वारा भी कोई आपत्ति नहीं की गई है। अतः प्राधिकारी ने नियम 6 (8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर ही कार्यवाई की है।

सामान्य मूल्य का निर्धारण ताईवान में एक्रीलिक फाइबर के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर जांच की शुरुआत के समय किया गया था। प्राधिकारी ने उसे उचित समायोजन के बाद सामान्य मूल्य के निर्धारण का आधार माना है। अतः भारत में एक्रीलिक फाइबर की उत्पादन लागत को लाभ के लिए उचित मार्जिन की अनुमति देने के बाद अन्य निर्यातकों के बारे में परिकलित लागत के आधार के रूप में अपनाया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने असहयोगी निर्यातकों के बारे में एक्रीलिक फाइबर का सामान्य मूल्य यू एस डालर *** प्रति कि. ग्रा. माना है।

निर्यात कीमत

13. प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर ताईवान से किए गए आयातों की मात्रा 764.37 लाख रुपए की सी आई एफ कीमत की दर से 1590.07 मी. टन थी। तथापि, मैसर्स फोरमोसा प्लास्टिक्स द्वारा प्रस्तुत ब्यौरों के मुताबिक जांच अवधि के दौरान एक्रीलिक फाइबर कम्पनी के निर्यातों की मात्रा *** मिलियन अमरीकी की डालर (*** लाख रुपए के बराबर) की सी आई एफ कीमत की दर से 478 मी. टन थी। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान ताईवान से शेष निर्यात *** लाख रुपए की सी आई एफ कीमत की दर से 1111.28 मी. टन के हुए थे। तथापि, किसी अन्य निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना नहीं भेजी। इसलिए,

प्राधिकारी ने निर्यात की शेष मात्रा पर असहयोगकारी निर्यातकों के कारण विचार किया गया है। इसलिए, असहयोगकारी निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी ने निर्यात की सी आई एफ कीमत *** /रुपए कि. ग्रा. (*** अमरीकी डालर के बराबर) समझी है। निर्यात बिक्री की कारखानागत लागत निकालने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत व्यौरों के अनुसार पत्तन प्रभारों, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन और छूट मंजूरी और हैंडलिंग प्रभार, अन्तर्देशीय भाड़े के कारण हुए खर्चों पर विचार किया है। इस प्रकार प्राधिकारी ने असहयोगी निर्यातकों के मामले में कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण *** अमरीकी डालर प्रति कि. ग्रा. की दर से किया है।

इस प्रकार प्राधिकारी ने ताईवान के एक्रिलिक फाइबर के असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण *** अमरीकी डालर प्रति कि. ग्रा. अथवा 25.52 की दर से किया है।

ठ. क्षति और कारणात्मक संबंध

कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कोई महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है या क्या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव कीमतों को एक महत्वपूर्ण डिग्री तक अन्यथा हतोत्साहित करने या उस कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण डिग्री तक हुए होते।

भारत में स्वदेशी उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच हेतु प्राधिकारी ने इस प्रकार के घटकों पर पूर्वोक्त नियम अनुबंध-2(iv) के अनुसार विचार किया है जिनका उद्योग की स्थिति पर उत्पादन क्षमता प्रयुक्तता, बिक्री मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर प्रभाव हो।

घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत देने वाले विभिन्न मानदण्डों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :—

(क) आयातों की मात्रा

वर्ष 1996-97 के दौरान ताईवान से एक्रिलिक फाइबर का कुल आयात 654 मी. टन था जो भारत में एक्रिलिक फाइबर के कुल आयात का 2.38 प्रतिशत बैठता है। तथापि, वर्ष 1997-98 के दौरान आयात बढ़कर 1689 मी. टन तक हो गए थे जिसमें कुल आयातों में ताईवान का हिस्सा 4.38% था। जांच अवधि के दौरान ताईवान से 1590 मी. टन का आयात हुआ था जो भारत में एक्रिलिक फाइबर के कुल आयातों का 4.88% बैठता था। प्राधिकारी आगे यह बात नोट करते हैं कि वर्ष 1996-97 के दौरान ताईवान से आयातों की औसत सीआईएफ कीमत 44.9 रु. प्रति कि.ग्रा. थी जो वर्ष 1997-98 के दौरान बढ़कर 57.53 रुपए प्रति कि.ग्रा. तक हो गई थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान निर्यातों की औसत सीआईएफ कीमत घटकर 48.7 रुपए प्रति कि.ग्रा. हो गई जो पूर्व वित्त वर्ष की तुलना में 16.44 प्रतिशत की गिरावट प्रदर्शित करती है।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग

यह देखा गया है कि पिछले चार वर्षों के दौरान याचिकाकर्ताओं की स्थापित क्षमता और उनका उत्पादन इस प्रकार रहा है :—

वर्ष Year	क्षमता (मी.टन) Capacity (MTs)	उत्पादन (मी.टन) Production (MTs)	(%) क्षमता उपयोग Capacity Utilization
1995-96	50,000	42309	85
1996-97	54,167	55809	103
1997-98	55,000	60371	110
1998-99	59,663	59168	99

प्राधिकारी उपरोक्त से यह बात नोट करते हैं कि वर्ष 1998-99 के दौरान कुछ याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा क्षमता बढ़ाई गई थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन में मामूली गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में पर्याप्त गिरावट रही है। जांच अवधि में क्षमता उपयोग में यह गिरावट 11 प्रतिशत तक पहुँच गई थी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान सृजित अतिरिक्त क्षमता का पूरी सीमा तक उपयोग नहीं कर सका था।

(ग) बिक्री मात्रा

वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान घरेलू उद्योग की एक्रिलिक फाइबर की कुल बिक्री 54,401 मी.टन की थी जो वर्ष 1997-98 में बढ़कर 58,661 मी. टन तक हो गई थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री घटकर 57325 मी. टन तक पहुँच गई थी जिससे पूर्व वित्त वर्ष की तुलना में 1.93 प्रतिशत की गिरावट प्रदर्शित होती है।

(घ) बिक्री मूल्य एवं बिक्री प्राप्ति

याचिकाकर्ता कम्पनियों का वर्ष 1996-97 के दौरान जो कुल बिक्री मूल्य 462 करोड़ रुपए का था वह वर्ष 1997-98 के दौरान बढ़कर 527 करोड़ रुपए हो गया था तथापि, जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कम्पनियों का बिक्री मूल्य घटकर 403 करोड़ तक हो गया था जो वित्तीय वर्ष 1997-98 की तुलना में 23.5 प्रतिशत की गिरावट प्रदर्शित करता है।

वर्ष 1996-97 से घरेलू उद्योग की औसत बिक्री प्राप्ति में पर्याप्त गिरावट रही है। घरेलू उद्योग की वर्ष 1996-97 के दौरान जो औसत बिक्री प्राप्ति 89.04 रुपए प्रति कि.ग्रा. तक हो गई थी वह वर्ष 1997-98 के दौरान घटकर 82.28 रुपए कि.ग्रा. तक हो गई थी जो 7.6 % की गिरावट प्रदर्शित करती है। जांच अवधि के दौरान यह बिक्री प्राप्ति आगे और घटकर 75.30 रुपए प्रति कि.ग्रा. हो गई थी। जो पूर्व वर्ष की तुलना में 8.48% की गिरावट प्रदर्शित करती है। जांच अवधि समेत पिछले दो वर्षों में घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में संचयी गिरावट 15.39% की थी।

(ङ) लाभप्रदता

वित्तीय वर्ष 1996-97 के दौरान घरेलू उद्योग की कुल लाभ प्रदत्ता (-) 1017 करोड़ रुपए की थी जो वर्ष 1997-98 के दौरान बढ़कर 17.61 करोड़ रुपए तक हो गई थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पर्याप्त गिरावट रही है क्योंकि घरेलू उद्योग को 29.74 करोड़ रुपए का घाटा हुआ।

(च) इतिशेष स्टॉक

यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता का वर्ष 1996-97, 1997-98 और 1998-99 के दौरान इतिशेष स्टॉक क्रमशः 1785 मी. टन, 3535 मी. टन और 5037 मी. टन था। वर्ष 1996-97 के दौरान इतिशेष स्टॉक जो घरेलू उद्योग की .39 महीनों की बिक्री प्रदर्शित करता था वह वर्ष 1997-98 के दौरान बढ़कर .72 महीनों की बिक्री तक पहुँच गया था और यह जांच अवधि के दौरान आगे और बढ़कर घरेलू उद्योग की 1.05 महीनों की बिक्री तक पहुँच गया था।

पूर्वोक्त पैराग्राफों को देखते हुए प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देश से आयातों की मात्रा भारत में संबद्ध सामान के कुल आयातों की तुलना में बढ़ी है और जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों की कीमत में महत्वपूर्ण गिरावट रही है। भारत में ऐक्रिलिक फाइबर का आयात पाटन कीमत पर हुआ है जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग और बिक्री में गिरावट आई है। कीमतों में गिरावट के प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग की अपनी लाभप्रदता में कमी आई है। इसके अलावा घरेलू उद्योग के उत्पादन में आई गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग के इतिशेष स्टॉक में वृद्धि हुई है जिससे यह संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में ऐक्रिलिक फाइबर की बिक्री करने में सक्षम नहीं था। इस बात को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को हुई यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

(ट) भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

15. सामान्यतः पाटन रोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन को समाप्त करना है जो स्वदेशी उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है तथा भारतीय बाजार में एक खुली और उपयुक्त प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में हैं।

यह माना जाता है कि पाटन रोधी शुल्कों का लगाया जाना संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करते हुए निर्मित उत्पादों के बिक्री स्तर को प्रभावित करेगा और परिणाम-स्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव होगा। तथापि भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटन रोधी उपायों द्वारा कम नहीं होगी विशेष रूप से यदि पाटन रोधी शुल्क का लगाया जाना उस राशि तक सीमित रहता है जो स्वदेशी उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन रोधी उपायों के लगाए जाने से पाटन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किए जा रहे अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा और ये स्वदेशी उद्योग की गिरावट को रोकेंगे तथा ऐक्रिलिक फाइबर के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प को बनाये रखने में मदद करेंगे। पाटन रोधी उपायों के लगाए जाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इसका उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

16. स्वदेशी उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक पाटन रोधी शुल्क की सीमा को जानने के लिए प्राधिकारी ने स्वदेशी उद्योग हेतु क्षमता उपयोगिता के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करते हुए स्वदेशी उद्योग हेतु भारत में ऐक्रिलिक फाइबर की नुकसान रहित कीमत पर भरोसा किया है।

(ण) पहुँच मूल्य

17. आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण सीमाशुल्कों के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उतराई और दो प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार जोड़ने के बाद पाटन से संबंधित पैरा में दिए गए उपरोक्त ब्याँरे के अनुसार निर्धारित ऐक्रिलिक फाइबर के निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है।

(त) निष्कर्ष

18. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह पाया गया है कि : (1) ताइवान मूल का या वहां से निर्यातित एक्रेलिक फाइबर का भारत को सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है जिसके फलस्वरूप पाटन हुआ है।

(ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(vii) संबंध देश से आयातों के कारण संचयी रूप से क्षति हुई है।

संबंध देश के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रेलिक फाइबर के सभी आयातों पर अंतिम निर्धारण के संबन्धित रहने हेतु जांच पूरी होने तक अस्थाई रूप से पाटन रोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा गया है।

प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया था जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। इस उद्देश्य के लिए आयातों की पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ भी की गई थी। तदनुसार जहां अन्तर पाटन मार्जिन से कम था वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। प्राधिकारी ताइवान मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रेलिक फाइबर के सभी आयातों पर अन्तिम शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। सीमाशुल्क टैरिफ के सीमाशुल्क शीर्ष 5501 और 5503 के अंतर्गत आने वाले ताइवान मूल के अथवा वहां से निर्यातित एक्रेलिक फाइबर के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाने वाला पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई सारणी में दर्शाई गई राशि होगा :—

क्र. सं.	देश/निर्यातक	शुल्क की राशि (रुपए प्रति किग्रा.)
1.	ताइवान	
	मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	3.37
2.	सभी अन्य निर्यातक	10.25

19. इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क विभाग द्वारा तय किया गया निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।

त. आगे की पद्धति

आरंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के तदनंतर निम्नलिखित पद्धति का पालन किया जाएगा :

प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेगा और अंतिम निष्कर्षों में उन पर विचार किया जाएगा;

- संबन्धित सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों, निर्यातकों, आयातकों, वादी को प्राधिकारी द्वारा अलग से सूचित किया जाएगा जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार बतायेंगे। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार बता सकती है;
- प्राधिकारी आवश्यक समझे जानी वाली सीमा तक सत्यापन करेगा। इस अवस्था में कोई नया साक्ष्य स्वीकार नहीं किया जाएगा;
- प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक अभिवेदन हेतु अवसर प्रदान करेगा जिसके लिए तारीख और समय की सूचना सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को अलग से दी जाएगी;
- प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को बताएगा।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th November, 1999

PRELIMINARY FINDINGS

Subject:- Anti-dumping investigation concerning imports of Acrylic Fibre from Taiwan- Preliminary Findings.

27/1/99-DGAD,— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i. The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from the Forum of Acrylic Manufacturers Association on behalf of M/s Indian Acrylic Ltd., Pasupati Acrylon Ltd. and Consolidated Fibre and Chemicals Ltd on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Acrylic Fibre (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from Taiwan.
 - ii. Preliminary scrutiny of the application filed by petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was therefore considered as properly documented;
 - iii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigations against imports of acrylic fibre from Taiwan. The Authority notified the Economic and Cultural Centre of Taiwan about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigation in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
 - iv. The Authority issued a public notice dated 28th July, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti - dumping investigations concerning imports of Acrylic fibre classified under custom subheading 5501 and 5503 of Schedule 1 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Taiwan (hereinafter also referred to as the subject country).
 - v. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);

- vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of Acrylic fibre in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter;
- vii. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Acrylic fibre made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii. The Authority provided a copy of the petition to known exporters and the Economic and Cultural Centre of subject country in accordance with rules 6(3) supra.
- ix. The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information, to M/s. Gugu International Co., Ltd., Taiwan the only known exporter as indicated by the petitioner in accordance with the rule 6(4);

No response was received from M/s. Gugu International Co., Ltd., Taiwan. Instead information on the subject was filed by M/s Formosa Plastics Corporation, Taiwan.

- x. The Economic and Cultural Centre of the subject country in New Delhi was informed about initiation of the investigation in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Economic and Cultural Centre of Taiwan, alongwith a list of known exporters/producers.
- xi. A questionnaire was sent to the following known importers of Acrylic fibre calling for necessary information in accordance with rule 6(4);
 - M/s. Vardhman Spg & Gen Mills – Ludhiana.
 - M/s. Nahar Spg Mills Ltd. – Ludhiana.
 - M/s. Malwa Cotton Spg Mills Ltd. - Ludhiana.
 - M/s. Rajasthan Spg & Wvg Mills Ltd. - New Delhi.
 - M/s. Winsome Textile Industries Ltd. – Chandigarh.
 - M/s. Siddhartha Super Spg Mills Ltd.-New Delhi.
 - M/s. Bhiwani Textile Mills – Haryana.
 - M/s. Adhinath Textiles Ltd.- Ludhiana
 - M/s. Shruti Syntetics Ltd.- Udaipur

No Response to the questionnaire was filed by any of the importers.

- xii. Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished,
- xiii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties.

- xiv. The cost of production of the domestic industry was also analyzed to work out optimum cost of production to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) based on the information furnished by petitioners so as to ascertain if anti-dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry.
- xv. **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- xvi. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 1998 to 31st March, 1999.

B. PETITIONERS' VIEWS:

- 2. The petitioners have expressed the following views with regards to dumping of Acrylic Fibre and the injury to domestic industry as a consequence thereto:-
 - (i) The exporters from Taiwan are dumping Acrylic Fibre in India.
 - (ii) The prices in the petition have been calculated based on the data published by DGCI&S, Calcutta. These export prices are CIF. The average CIF prices as per DGCI&S Statistics were US\$1144 per MT. However, the exporters from Taiwan have intensified dumping by sharp reduction in the prices which has subsequently declined to US\$750 per MT. This is based on the quotations by some of the exporters. The export price being quoted is even lower than the variable cost of domestic industry.
 - (iii) The quantum of imports from Taiwan which was 653 MT in 1996-97 has increased to 1496 MT in the first eight months of the POI. The imports in the remaining four months of POI are expected to be significantly higher.
 - (iv) The petitioner companies are findings it extremely difficult to sell Acrylic Fibre in domestic market in the face of dumping. The petitioner companies had to sell Acrylic Fibre at a price significantly below the Fair Selling Price. The selling price of domestic industry has declined by as much as 25% since 1995-96.
 - (v) There has been a significant erosion in the profitability of the domestic industry as in current financial year, the domestic industry has incurred a loss of Rs.28 Crores as against a profit of Rs.4 Crores during the year 1997-98.
 - (vi) The injury to the domestic industry has been on account of increased volume of imports at dumped price from Taiwan.

C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:

3. EXPORTERS' VIEWS:

The exporter M/s. Formosa Plastic Corporation, Taiwan stated as under:-

- (a) The quantum of imports as indicated by the petitioner during the year 1997-98 and 1998-99 indicates a much higher level of imports from Taiwan as the DGCI&S statistics may include exports from third countries.
- (b) Based on the official statistics of Taiwan the imports from Taiwan in 1998 were less than 3% of the total imports during the year 1998. As such the present investigation needs to be terminated.
- (c) The export price from Taiwan have been in line with the international prices of Acrylic Fibre which have declined substantially.
- (d) The petitioner have not suffered any material injury and much less from the imports from Taiwan as :
 - (i) there has been increase in petitioners production;
 - (ii) the sales quantity of petitioner companies have increased ;
 - (iii) The petitioner companies have maintained an extremely high rate of capacity utilisation;
 - (iv) the market share of petitioners was higher than during the year 1997-98 and
 - (v) the increase in the stock level of petitioner may be on account of increase in production capacity.
- (v) There is no Causal Link between alleged material injury to petitioner companies and imports of Acrylic Fibre from Taiwan.

D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED:

4. The foregoing submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and to extent these have a bearing upon the case, have been examined and considered and have been dealt with at appropriate places in these findings.

E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

5. The product involved in the present investigation is Acrylic Fibre in the form of Acrylic staple fibre, Acrylic Tow and Acrylic Top. Acrylic fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 85% by weight of Acrylonitrile units. The Acrylic Fibre is produced in various grades defined in terms of deniers. Acrylic fibre is produced either through wet technology or dry technology. Acrylic fibre has application in day to day life use i.e. household uses and some industrial use. Acrylic fibre is classified under ⁺ n 5501 and 5503 of Customs Tariff Act. The classification is

however indicative only and in no way binding on the scope of present investigation.

F. **LIKE ARTICLES:**

6. Acrylic fibre is produced and sold in various specifications. The various specifications however, merely depict the properties of the fibre and may result in varying end uses. However there is no significant difference in terms of process, equipment or technology to produce different varieties of Acrylic Fibre. It is, therefore, considered that acrylic fibre produced and sold by the domestic industry has characteristics closely resembling to the Acrylic Fibres imported from Taiwan. None of the interested parties has disputed the claims of the Petitioner that the Acrylic Fibre being imported from Taiwan are being used interchangeably by customers in India. In view of the same, the authority holds that Acrylic Fibre being imported from Taiwan and those being produced in India can be used interchangeably and thus are technically and commercially substitutable and therefore are Like Articles within the meaning of the Rules.

G. **DOMESTIC INDUSTRY:**

7. The petition is jointly filed by M/s Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, Pasupati Acrylon Ltd., New Delhi and Consolidated Fibre and Chemicals Ltd. Calcutta. It is claimed by the petitioner that Indian Prochemical Ltd., having their plant at Vadodra is the other company producing Acrylic Fibre. Thus, it is claimed that there are only four units which produces Acrylic Fibre in India. The total production of Acrylic Fibre in 1998-99 is 80,268 MT and the production of petitioner companies was 59,168 MT. Thus, the petitioner accounts for a major portion of the domestic production of Acrylic Fibre during the POI and therefore have the standing to file a petition on behalf of domestic industry as required under the Rules.

H. **DUMPING:**

8. The Authority has examined Normal value in relation to an article as per the Rules in Section 9A(1)(c).
9. The Authority sent questionnaires to the exporters from the subject country in terms of the section cited above. The claim made by the exporters with regard to normal value and export price and dumping margin are as under:

I. **CLAIMS OF THE EXPORTERS:**

10. The response was received only from M/s. Formosa Plastic Corporation, who furnished details of exports made to India during the period of investigations. The claims made in this regard are as under :-

(i) **NORMAL VALUE:**

M/s. Formosa Plastics Corporation, the exporter furnished details of domestic sales of Acrylic Fibre during the POI. Separate details were

furnished by the exporter in respect of Acrylic Tow and Acrylic Staple Fibre. Accordingly, they claimed an average sales price for domestic sales of US \$ **** per Kg. The expenses have been claimed in respect of Inland freight and other credit cost to arrive at the Ex-factory price of domestic sales. Accordingly, an Ex-factory domestic price of US\$ **** was claimed.

(ii) **EXPORT PRICE:**

The exporter furnished invoice-wise details of export of Acrylic Fibre to India during POI. Separate details were furnished in respect of Acrylic Tow and Acrylic Fibre. The exporter claimed to have exported 478 MT of Acrylic Fibre and Tow during the POI at an average CIF price of US\$**** per MT. Further, expenses have been claimed in respect of export sales on Discount and Commission, inland freight and port charges. They have further claimed expenses on overseas freight, overseas insurance and clearing and handling charges for export sales. Thus, average Ex-factory price for export sales has been claimed as US\$ **** per MT.

M/s. Formosa Plastics further furnished the details of cost break up of Acrylic Fibre sold in the domestic market and export sales and claimed that there is no dumping of subject goods to India during the POI.

No response was received by the Designated Authority from any other exporters of Acrylic Fibre from Taiwan.

J. **EXAMINATION CLAIMES BY AUTHORITY:**

11. The claims made by M/s. Formosa Plastics Corporation with regards to Normal Value, Export Price and Dumping Margin have been examined by the Authority and are discussed, herein under:-

M/s. Formosa Plastics Corporation, Taiwan.

NORMAL VALUE:

The Authority notes that separate details have been furnished by the exporter in respect of Acrylic Tow and Acrylic Staple Fibre. The Authority has considered, average Normal Value for Tow and Staple Fibre. Subject to verification of information, the Authority has considered the domestic sales price, as claimed by the exporter. Further, the expenses on Inland Freight have been allowed as claimed. However, no adjustment have been considered by Designated Authority in respect of credit cost for domestic sales. Accordingly, the Normal Value has been considered by Designated Authority as US \$ **** per Kg.

EXPORT PRICE:

The average CIF export price in respect of exports of both Acrylic Tow and Acrylic Staple Fibre by M/s. Formosa Plastics Corporation to India during the POI, was US\$ **** per Kg. The expenses on Discount and

Commission, inland freight and port charges have been allowed as claimed. Further, the Authority has allowed overseas freight, overseas insurance and clearing and handling charges as claimed, subject to verification of the information. Accordingly, the average Export Price of Acrylic Fibre exported by the M/s. Formosa Plastics during the POI has been assessed at US\$ **** per Kg.

Based on the above, the Dumping Margin in respect of M/s. Formosa Plastics Corporation is assessed by the Authority at US\$ **** per Kg or 6.79 % .

K. DUMPING MARGIN IN CASE OF NON-CO-OPERATIVE EXPORTERS.

NORMAL VALUE

12. The Authority provided opportunity to the exporters from Taiwan to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Economic and Cultural Centre of Taiwan in India also. However, no other exporters from Taiwan have responded to the Authority's request for information. The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by the other interested party(ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.

The normal value was determined at the time of initiation of the investigations on the basis of constructed cost of production of Acrylic Fibre in Taiwan. The Authority has considered the same with appropriate adjustment as the basis for determination of the Normal Value. Therefore, the cost of production of Acrylic Fibre in India has been adopted as the basis for the constructed cost in respect of other exporters after allowing for reasonable margins for profits. Accordingly, the normal value of Acrylic Fibre in respect of Non-co-operative exporters has been taken by Authority as US\$ ****per Kg.

EXPORT PRICE:

13. The Authority notes that the quantum of imports from Taiwan based on the information made available by the domestic industry was 1590.07 MT at CIF Price of Rs.764.37 lacs. However, as per details furnished by M/s. Formosa Plastics, the quantum of exports of the company of Acrylic Fibre during the POI was 478 MT at a CIF price of US\$**** Million(equivalent Rs.**** lacs). Thus, the balance exports from Taiwan during the POI was 1111.28 MT at a CIF price of Rs.**** lacs. However, no other exporters responded to the information solicited by Designated Authority. Therefore, the balance quantum of exports have been considered by Authority as on account of Non-co-operative exporters. Therefore, the CIF price of exports in respect of Non-co-operative exporters have been considered by the Authority as Rs.**** Kg.(equivalent US\$****). For the purpose of working out the Ex-factory cost of export

charges, Ocean freight, Ocean insurance, Commission and discount clearing and handling charges, inland freight as per details furnished by Co-operative exporter. Thus, Ex-factory export price in case of Non-co-operation exporters have been assessed by the Authority at US\$**** per Kg.

Thus, the Dumping Margin in case of Non-co-operative exporters of Acrylic Fibre from Taiwan is assessed by Authority at US\$**** per Kg. or 25.52%.

L. INJURY AND CAUSAL LINK:

14. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The various parameters indicating injury to the domestic industry are discussed herein under:-

(a) QUANTUM OF IMPORTS:

During the year 1996-97, the total imports of Acrylic Fibre from Taiwan was 654 MTs which represented 2.38% of the total imports of Acrylic Fibre in India. However, the imports increased to 1689 MTs during 1997-98 with the share of Taiwan in the total imports at 4.38%. The imports from Taiwan were 1590 MTs during the POI which represent 4.88% of the total imports of Acrylic Fibre in India. The Authority further notes that the average CIF price of imports from Taiwan during 1996-97 was Rs. 44.9 per Kg. which increased to Rs.57.53 per Kg. during 1997-98. However, the average CIF price of exports during the POI declined to Rs.48.7 per Kg. representing a decline of 16.44% over the previous financial year.

(b) PRODUCTION AND CAPACITY UTILISATION:

It is observed that the installed capacity and production of the petitioners during the last four years are as under:-

Year	Capacity (MTs)	Production(MTs)	Capacity Utilization (%)
1995-96	50,000	42309	85
1996-97	54,167	55809	103
1997-98	55,000	60371	110
1998-99	59663	59168	99

The Authority notes from the above that capacity addition were carried out by some of petitioner companies during the year 1998-99. However, there has been a marginal decline in the total production of domestic industry during the POI. There has been a significant decline in the capacity utilisation of domestic industry. The decline in capacity utilisation was to the extent of 11% during the POI. Thus the domestic industry was not able to utilise additional capacity created during the POI to the full extent.

(c) QUANTUM OF SALES:

The total sales of domestic industry for Acrylic Fibre during the financial year 1996-97 was 54,401 MTs which increased to 58,661 MTs during the year 1997-98. However, during the POI the sales volumes for the domestic industry declined to 57325 MTs representing a decline of 1.93% over the previous financial year.

(d) SALES VALUES AND SALES REALISATION:

The total sales values for the petitioner companies which was Rs.462 Crores during the year 1996-97 increased to Rs. 527 Crores during the year 1997-98. However, the sales values of petitioner companies declined to Rs.403 Crores during POI representing a decline 23.5% over the financial year 1997-98.

There has been significant decline in average sales realisation for the domestic since 1996-97. The average sales realisation of the domestic industry which was Rs.89.04 per Kg. in 1996-97 declined to Rs. 82.28 per Kg. during the year 1997-98 representing a decline of 7.6%. The sales realisation during the POI further declined to Rs.75.30 per Kg. representing a decline of 8.48% over the previous year. The cumulative decline in the sales realisation of domestic industry for last two years including the POI was 15.39%.

(e) PROFITABILITY:

The total profitability of domestic industry during the financial year 1996-97 was (-) Rs.10.17 Crores which improved to Rs.17.61 Crores during the year 1997-98. However, during the POI, there has been a significant

erosion in profitability of domestic industry as the domestic industry incurred a loss of Rs. 29.74 Crores.

(f) **CLOSING STOCKS:**

It is observed that the closing stocks of petitioner were 1785 MT, 3535 MT and 5037 MT in 1996-97, 1997-98 and 1998-99 respectively. The closing stocks during the year 1996-97 which represented .39 months sales of the domestic industry increased to .72 months sales during 1997-98 and it further increased to 1.05 months sales of the domestic industry during the POI.

In view of the foregoing paragraphs, the Authority observes that the quantum of imports from the subject country have increased relative to the total imports of subject goods in India and there has been significant decline in the price of imports from the subject country during the POI. The imports of Acrylic Fibre to India has been at a dumped prices resulting in decline in the capacity utilisation, and sales of the domestic industry. Due to the impact of decline in prices, the domestic industry has suffered erosion in its profitability. Besides, despite the decline in production of domestic industry, the closing stock of domestic industry have increased indicating that domestic industry was not able to sell the Acrylic Fibre in the domestic market. In view of the same, Authority concludes that domestic industry has suffered injury and the injury to the domestic industry has been caused on account of dumped imports from subject country.

M. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:**

15. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Acrylic Fibre. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

16. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove Injury to the domestic industry, Authority has relied upon Non-injurious price of

Acrylic Fibre in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for domestic industry.

N. LANDED VALUE:

17. The landed value of imports have determined on the basis of export price of Acrylic Fibre, determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent landing and two percent handling charges.

O. CONCLUSIONS:

18. It is seen, after considering the foregoing, that:-
- (i) Acrylic Fibre originating in or exported from Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
 - (ii) The Indian industry has suffered material injury
 - (vii) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject country.

It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Acrylic Fibre originating in or exported from the subject country, pending investigations.

The Authority considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the Non-injurious selling price of the petitioner companies determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, the Authority recommends that provisional duties be imposed, on all imports of Acrylic Fibre originating in or exported from Taiwan. The anti-dumping duty shall be the amounts indicated in the table below, to be imposed from the date of Notification to be issued in this regard by the Central Govt. on all the imports of Acrylic Fibre falling under Customs heading 5501 and 5503 of the Customs Tariff, originating in or exported from Taiwan :-

S. No.	Country/Exporters	Amount of Duty (Rs. per Kg.)
1.	<u>Taiwan</u> M/s. Formosa Plastics Corporation	3.37
2.	All Other Exporters	10.25

19. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

P. **FURTHER PROCEDURE:**

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

- (i) Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- (ii) The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary. No fresh evidence will be accepted at this stage;
- (iii) The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- (iv) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority
